भारत एवं पाश्चात्य जगत में शिक्षा मनोविज्ञान की महत्ताः संक्षिप्त अवलोकन

सीमा कुमारी
डॉ0 प्रतिभा सिंह

पत्र में शिक्षा से जुडे समस्त बिन्दुओं पर प्रकाश डालने का प्रयास है जो अच्छी शिक्षा के लिए एक अध्यापक को उसका ज्ञान होना आवश्यक है, जिसमें बालक के विषय में ज्ञान शिक्षण विधियों का ज्ञान, समस्यात्मक बालकों का ब्यवहार का निदान एवं उपचार, पाठ्यचर्या–रचना, मापन एवं मुल्यांकन, व्यक्तित्व समायोजन एवं कुसमायोजन एवं परामर्श और निर्देशन, शिक्षक का मनोविज्ञान आदि विषयों पर संक्षिप्त चर्चा शामिल है।

आज हम विज्ञान और तकनीकी के युग में जी रहें हैं, इसने वर्तमान को अभूतपूर्व प्रगति के रास्ते में ला खड़ा किया है। ऐसे में शिक्षा मनोविज्ञान, अध्ययन के एक विषय के रूप में शिक्षकों को ऐसी जानकारी एवं आवश्यक मनोरचना प्रदान करता है जिसके सहारे इन चुनौतियों का सामना करने में वे सक्षम होते हैं। शिक्षा मनोविज्ञान की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए महान शिक्षाविद् पेस्तालॉजी ने कहा है कि यदि आप बालक के प्रति पूर्ण न्याय करना चाहते हैं तो आपको बालक को जानना होगा।